>

Title: Need to include Teli, Kanu, Lohar, Kumhar, Mallaha, Noniya, Kahar, Dhanuk, Tatwa, Tanti, Kenwat, Keot, Godi, Gangoat, Gareria, Beldar, Paldar, Chaupal, Khatve, and Dadhi Castes of Bihar in the respective list of Other backward Classes, Scheduled Castes and Scheduled Tribes of State of Bihar.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली): बिहार राज्य के अंतर्गत तेली, कानू, लोहर, कुम्हार, मल्लाह, नोनिया, कहार, धानुक, ततवा, तॉंती, केवट, केऑट, गोढ़ी, गंगौत, गरेडिया, बेलदार पलदार, चौपाल खतवे, ढाढी आदि जातियों की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक स्थिति दयनीय है। अतः इन जातियों का महासंघ बराबर अपनी तरक्की हेतु सवाल उठाते रहते हैं।

तेली जाति का संघ अति पिछड़ी अथवा अनुसूचित जाति की सूची में शामिल होने हेतु लड़ रहे हैं। चौपाल, खतवे और ढाढी अनुसूचित जाति की स्वतंत्र सूची में शामिल होना चाहते हैं। लोहर, नोरिया, मल्लाह, अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल होना चाहते हैं। इसी प्रकार कुम्हार, तुरहा, ततवा, तॉंती, कानू धानुक और अन्य जातियां अनुसूचित जाति की सूची में शामिल होना चाहते हैं।

अतः आग्रह है कि राज्य सरकार से परामर्श कर इन जातियों के महासंघ की मांगों की स्वीकृति हेतु विधेयक लाने की कार्रवाई प्रारंभ की जाहए।